



Mohak



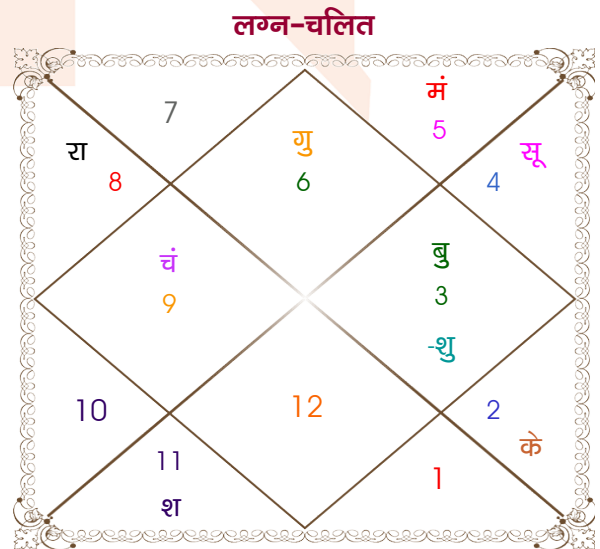
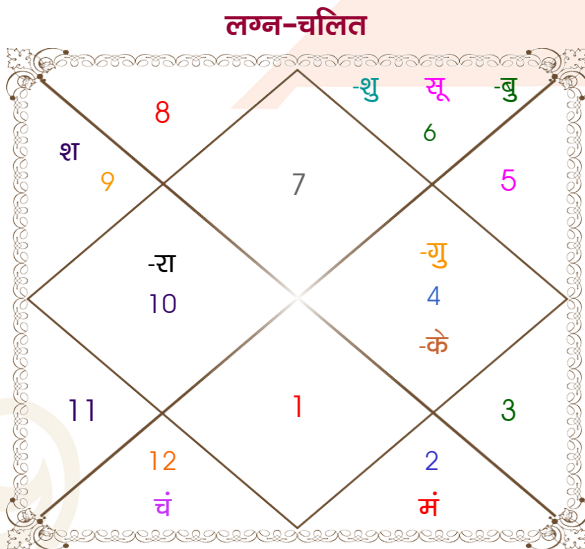
Nikita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121914611

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 05/10/1990 : _____ जन्म तिथि _____ : 30/07/1993
 शुक्रवार : _____ दिन _____ : शुक्रवार
 घंटे 09:46:12 : _____ जन्म समय _____ : 10:45:23 घंटे
 घटी 08:17:47 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 12:36:00 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Jammu : _____ स्थान _____ : Delhi
 32:42:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 74:52:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:30:32 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:27:05 : _____ सूर्योदय _____ : 05:41:18
 18:10:36 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:13:20
 23:43:54 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:46:20

विंशोत्तरी बुध 3वर्ष 7मा 12दि सूर्य		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 4वर्ष 7मा 20दि चन्द्र	
	18/05/2021	28:50:09	तुला	लग्न	कन्या	18:28:51		20/03/2024
	18/05/2027	17:56:32	कन्या	सूर्य	कर्क	13:17:28		21/03/2034
सूर्य	04/09/2021	27:09:49	मीन	चंद्र	धनु	04:29:40	चन्द्र	19/01/2025
चन्द्र	06/03/2022	19:08:11	वृष	मंगल	सिंह	28:14:35	मंगल	20/08/2025
मंगल	12/07/2022	05:17:59	कन्या	बुध	मिथु	25:19:22	राहु	19/02/2027
राहु	05/06/2023	15:13:21	कर्क	गुरु	कन्या	15:43:14	गुरु	20/06/2028
गुरु	23/03/2024	10:50:40	कन्या	शुक्र	मिथु	03:07:06	शनि	19/01/2030
शनि	05/03/2025	25:05:28	धनु	शनि व	कुंभ	04:41:30	बुध	20/06/2031
बुध	10/01/2026	11:12:11	मक व	राहु व	वृश्चि	17:05:14	केतु	19/01/2032
केतु	18/05/2026	11:12:11	कर्क व	केतु व	वृष	17:05:14	शुक्र	19/09/2033
शुक्र	18/05/2027	12:02:47	धनु	हर्ष व	धनु	25:44:27	सूर्य	21/03/2034
		18:06:07	धनु	नेप व	धनु	25:30:50		
		22:34:58	तुला	प्लूटो व	तुला	28:57:08		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mohak का वर्ग सिंह है तथा छपापजं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Mohak और छपापजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mohak मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।
छपापजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।
क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु छपापजं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mohak कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mohak तथा छपापजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

